25/6/24 पत्रावली पेश हुई। मोरी भी उप० नहीं
है। वादी का मूल वाद न्यायालय आदेश
की पालना नहीं करने से पत्रावली खारिज
किया जा चुका है। इसलिए यह पत्रावली भी
इसी स्तर पर 09-8-25 को खारिज किया
जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर
से कम की जावे। वाद प्रति मूल वाद के
साथ संलग्न हो।

[redacted]

Signature Not Verified
Digitally signed by Ramkishor Mina
Date: 2025.06.13 12:01:54 IST
Reason: SelfAttested